Email-ID:-headpolscienceuor@gmail.com
Phone : 0141-2711070 Ext.2305
0141-2706470 Office
राजनीति विज्ञान विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर– 302004
DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE, UNIVERSITY OF RAJASTHAN, JAIPUR-302004

NO.DPS/2022/1042 Date 06.07.2023

राज्य–शास्त्र समीक्षा

अंतर्–अनुशासनात्मक पियर रिव्यूड एवं राजस्थान विश्वविद्यालय की विद्या परिषद् में सूचीबद्ध अर्द्धवार्षिक शोध पत्रिका

शोध पत्र प्रकाशन हेतु आमंत्रण

राज्य–शास्त्र समीक्षा के जुलाई–दिसंबर, 2023 के 53वें अंक में प्रकाशन हेतु शोध पत्र आमंत्रित है। यह अंक जनवरी, 2024 में प्रकाशित होगा। ऐसे शोध पत्र जो कि मौलिक, वस्तुनिष्ठ एवं सदर्भित मुख्य विषय के परिप्रेक्ष्य में, ज्ञान के क्षेत्र में और समाज व संस्कृति के संवर्द्धन में योगदान देने में सक्षम हो, सलंग्न घोषणा–पत्र सहित दिनांक 31 अक्टुबर, 2023 तक ***kailashappy1986@gmail.com*** पर ई–मेल किये जा सकते है।

राज्य–शास्त्र समीक्षा के लेखकों के लिए सामान्य दिशा–निर्देश :

- आलेख में सामग्री को इस क्रम में व्यवस्थित करें: आलेख का शीर्षक, लेखक/लेखकों के नाम, पते और ई–मेल, सारसंक्षेप, मुख्य शब्द, परिचर्चा, निष्कर्ष और संदर्भ सूची।
- सारसंक्षेपः सारसंक्षेप या शोध सारांश लगभग 200 शब्दों में हो तथा इसमें आलेख के मुख्य तर्कों का संक्षिप्त विवरण भी शामिल होना चाहिए। इसके बाद 5 से 7 तक मुख्य शब्द भी चिन्हित करें।
- आलेख का पाठः आलेख में 5000 शब्दों से अधिक शब्द नहीं होने चाहिए, जिसमें सारणी, ग्राफ इत्यादि सम्मिलित है।

- टंकण या टाइप संबंधी निर्देशः कृपया अपना आलेख टंकित या टाइप कर वर्ड एवं पीडीएफ दोनों ही प्रारूप में भेजें। शोध आलेख कृतिदेव 010 या Kruti Dev 010 में टाइप हो तथा फॉण्ट साईज 14, लाईन स्पेस 1.5 सेमी, पेज मार्जिन– उपर से 1 सेमी, नीचे से 1 सेमी, बाएं व दाएं से 1 सेमी और पैरा मार्जिन 2 सेमी होना चाहिए।

- शोध पत्र में सन्दर्भों का उपयोग स्पष्ट रूप से और निर्धारित मानक के अनुरूप ही करें। लेखक संदर्भ हेतु इन–टेक्स्ट और आउट–टेक्स्ट दोनों में ए. पी. ए. सांतवें संस्करण शैली का ही उपयोग करें। इसके अभाव में शोध पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा।

- शोधार्थी को इस आशय का घोषणा पत्र भी संलग्न करना होगा कि शोध आलेख मौलिक है और इसे अन्यत्र प्रकाशनार्थ प्रेषित नहीं किया गया है। इस हेतु घोषणा पत्र का प्रारूप संलग्न है।

- राज्य–शास्त्र समीक्षा किसी भी प्रकार की साहित्यिक चोरी की निंदा करता है और किसी भी प्रकार की साहित्यिक अपवंचना या चोरी के लिए लेखक स्वयं उत्तरदायी होगा।

- शोध–पत्र की स्वीकृति या अस्वीकृति की सूचना संबंधित लेखक को ई–मेल द्वारा प्रेषित की जाएगी। कृपया धैर्य बनाएं रखें, प्रकाशन एक दीर्घकालीन प्रक्रिया है।

डॉ. कैलाश चंद सामोता

संपादक

दूरभाषः 9784084824

ई–मेलः **kailashappy1986@gmail.com**

प्रो. मंजू सिंह

प्रबंध निदेशक एवं विभागाध्यक्ष

HEAD
Department of Political Science
University of Rajasthan
JAIPUR

घोषणा–पत्र

मैं, ... सत्यापित करता/करती हूँ कि मेरा /हमारा शोध पत्र . . . . पूर्णतया मौलिक एवं अप्रकाशित है। यह आलेख मेरे द्वारा/संयुक्त रूप से, सह–लेखक का नाम . . . . राज्य शास्त्र समीक्षा शोध पत्रिका के लिए लिखा गया है। मेरे द्वारा राज्य शास्त्र समीक्षा पत्रिका में प्रकाशनार्थ प्रेषित शोध आलेख में किसी भी प्रकार की साहित्यिक अपवंचना के लिए मैं/हम उत्तरदायी रहुँगां/रहेंगें।

लेखक/सह–लेखक का नाम व पदनामः . . . .

लेखक/लेखकों के हस्ताक्षर मय दिनांक :

1 2